तापमान
अधिकतम 43 .0 डिग्री
न्यूनतम 23 .0 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, मंगलवार, 7 मई 2024

11 प्रोग्राम लर्निंग व कोर्स आउटकम्स की मैपिंग ...

12 जनस्वास्थ्य विभाग ने लगाया कैंप, 5 शिकायतें पहुंचीं

शहर में आज

- छोटूराम स्टेडियम में लगाया जाएगा जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैंप।
- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।
- देव हिंदू मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष दलजीत सिंह मलिक द्वारा साढ़े 11 बजे चाहत रेस्टोरेंट में पत्रकार वार्ता का आयोजन।
- नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदय भान शाम 4 बजे सोनीपत रोड स्थित होटल ग्रैंड मेरिडियन बैंक्विट हॉल में पत्रकार वार्ता को संबोधित करेंगे।

खबर संक्षेप

नवीन जयहिंद की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त

रोहतक। जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिंद झज्जर, रेवाड़ी , महेंद्रगढ़ और भिवानी के लोगों को जन्मोत्सव का न्यौता देने पहुंचे। इसी बीच जब वे भिवानी में भगवान परशुराम मंदिर में दर्शन करने जा रहे तब दादरी गेट के नजदीक पहुंचने पर एक वाहन ने सामने से उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। गनीमत रही कि नवीन और उनके साथी सभी सही सलामत रहे। जयहिंद ने कहा कि आगामी 19 मई को पहरावर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

मोखराः स्कूल के लिए निकला बालक लापता

महम। मोखरा गांव से एक 13 वर्षीय बालक लापता हो गया। इसकी शिकायत परिजनों ने बहु अकबरपुर थाने में दी है। पुलिस को दी शिकायत में मोखरा पाना खांडयान छाजाण निवासी आनंद पुत्र बलदेवा ने बताया कि उसका लड़का कल सुबह पौने 8 बजे स्कूल जाने के लिए घर से निकला था। उसके लड़के का नाम गणपत पुत्र आनंद है। उसकी उम्र 13 साल है। उसने काली शर्ट पहनी हुई है। पुलिस ने इस संबंध में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर बालक की तलाश शुरू कर दी है।

जिलाधीश ने इयूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए

रोहतक। जिलाधीश अजय कुमार ने नामांकन पत्रो की जांच एवं उम्मीदवारों द्वारा नामांकन पत्र वापिस लेने के दौरान लघु सचिवालय परिसर के निकट एरिया में कानून व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत इयूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त के आदेश जारी किए है।

प्रेम नगर में महिला से 50 हजार की ठगी

रोहतक। प्रेम नगर में एक महिला से 50 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में नीलम ने आठ अप्रैल को उनके पास वाट्सअप कॉल आई। उन्होंने कहा कि आपका लड़का रेप केस में पकड़ा गया जो जर्मनी में पढ़ाई करता है। मैंने तभी अपने बेटे को फोन लगाया, लेकिन फोन बंद आया।

दमकल की गाड़ियों ने पाया काबू, शार्ट सर्किट की वजह से लगी आग, हो सकता था बड़ा हादसा

तिकोना पार्क के पास गर्ल्स पीजी में आग लड़कियों को सीढ़ी से उतारकर बचाई जान

लाइब्रेरी बाइक स्कूटी व अन्य समान जला

- तहसीलदार राजेश कुमार और डीएसपी वीरेंद्र सिंह ने मौके पर पहुंच कर हालात का जायजा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंडित नेकीराम कॉलेज के पास तिकोनी पार्क पर सोमवार शाम एक गर्ल्स पीजी में भीषण आग लग गई। इस दौरान राहगीरों ने इसकी सूचना दमकल विभाग और पुलिस को दी। पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है बिजली मीटर बोर्ड में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी और देखते ही देखते पूरी इमारत को अपने चपेट में ले गई।

जिस समय ये आग लगी, वहां कई लड़कियां वहां मौजूद थीं। जिन्हें सीढी से नीचे उतारकर बचाया गया। मौके पर दमकल की कई गाड़ियां जरूर भेज दी गईं, लेकिन आग पर काबू पाने में कई घंटे लग गए। साथ ही आग में लाइब्रेरी, 2 मोटसाइकिल व स्कूटी जलकर राख हो गई। तहसीलदार राजेश कुमार और डीएसपी वीरेंद्र सिंह ने मौके पर पहुंच कर हालात का जायजा लिया।

आग लगने से जला सामान

जले वाहनों को दिखाता युवक

जानकारी लेते हुए तहसीलदार राजेश कुमार

लड़कियों को सुरक्षित निकाला गया

दमकल अधिकारी ने बताया कि आग पूरी तरह बुझ गई है, इमारत में लगभग 6 लड़कियां थीं और सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया है। शुरुआती जांच में पता लगा है कि सीढ़ियों के पास लगे बिजली मीटर में आग लगी थी। यहां लगी आग ऊपरी मंजिलों तक पहुंच गई। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

कोचिंग हब है पावर हाऊस

असल में नेकीराम कॉलेज के आस-पास कई कोचिंग सेंटर है। इसलिए कोचिंग हब भी कहा जाता है। यहां पर दूर-दूर से बच्चे कोचिंग लेने आते हैं, बड़ी बात ये है कि यहां पर कई ऐसी भी बिल्डिंग हैं जो अवैध तरीके से बना दी गई हैं और जिनके पास पर्याप्त लाइसेंस भी नहीं होते। इसी वजह से समय-समय पर भयंकर अग्निकांड होते रहते हैं।

बिल्डिंग को खाली करवा लिया गया

आग लगने की सूचना मिलते ही पूरी बिल्डिंग को खाली करवा लिया गया था। फिलहाल घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। आग लगने की खबर सुनकर तीन से चार लड़कियां डर गई थीं, फिलहाल वे भी ठीक हैं। जिला प्रशासन और दमकल विभाग को निर्देश दिए गए थे कि पीजी में मौजूद लड़कियों को जल्द से जल्द सुरक्षित बाहर निकाला जाए।
-वीरेंद्र सिंह, डीएसपी

बालक नाथ डेरे के पास पेट्रोल की कैन में लगी आग, तीन लोग झुलसे

रोहतक। जींद रोड स्थित बालक नाथ डेरे के पास पेट्रोल की कैन में आग लग गई। अग लगने के कारण वहां बैठ तीन लोग आग की चपेट में आ गए। तीनों को राहगीरों की मदद से पीजीआई के ट्रामा सेंटर में भर्ती करवाया गया। जहां उनका उपचार चल रहा है। वहीं अग लगने की सूचना राहगीरों ने पुलिस व दमकल विभाग को दी। दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। बता दें कि सोमवार की शाम को माता दरवाजा निवासी देशराज, गढ़ी मौहल्ला निवासी महेंद्र व संजय तीनों कबाडी की दुकान पर बैठे थे। वहीं पर पेट्रोल की कैन रखी हुई थी। इन तीनों में से एक व्यक्ति बीड़ी पी रहा था। जिसके कारण कैन में अचानक आग लग गई और वहां बैठे तीनों लोग आग की चपेट में आ गए। तीनों का उपचार पीजीआई के ट्रामा सेंटर में चल रहा है।

- तीनों को राहगीरों की मदद से पीजीआई के ट्रामा सेंटर में भर्ती करवाया गया

सांपला में आग से झुलसे भाई-बहन ने तोड़ा दम

एक ही कमरे में सोया था परिवार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

कस्बे के वार्ड नंबर 5 निवासी आग से झुलसे भाई बहन ने रविवार की रात को दम तोड़ दिया। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करा परिजनों के हवाले कर दिया। जबकि पति-पत्नी की सेहत में सुधार बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिवार एक सप्ताह पहले घर में आग लगने पर झुलस गया था। दो मौत होने से परिवार गहरे सदमे में है। पुलिस के मुताबिक, वार्ड 5 निवासी उमेद सिंह ने बताया था कि उनका बेटा सत्यवान (42) मेहनत-मजदूरी करता है। वह घर में ऊपर बने कमरे में रहता है। बीते मंगलवार की रात को वह अपने परिवार के साथ अपने कमरे में सो रहा था। सत्यवान के साथ उसकी पत्नी सुमन (39), बेटा प्रवीण (19) और बेटी प्रतिभा (16) भी कमरे में सोए थे। रात को घर में आग लग गई थी। जिसमें पूरा परिवार आग में झुलस गया था। पड़ोस के लोगों ने आग को देखा तो परिवार के सभी सदस्यों को रोहतक पीजीआई में भर्ती कराया। जहां उनका उपचार चल रहा था। पुलिस के मुताबिक बहन ने रविवार की रात को दम तोड़ दिया। जबकि सत्यवान और उसकी पत्नी सुमन की सेहत में सुधार बताया जा रहा है। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करा परिजनों के हवाले कर दिया।

मृतक प्रतिभा मृतक प्रवीण

30 अप्रैल की वारदात

30 अप्रैल की रात को वार्ड 5 में एक मकान में आग लग गई थी। हादसे में परिवार के चार सदस्य झुलस गए थे। जिसमें बहन-भाई की मौत हो गई है। मामले में कार्रवाई की जा रही है। -सुलेंद्र सिंह, सांपला थाना प्रभारी

किलोई में जमीनी विवाद को लेकर छोटे ने बड़े भाई पर किया हमला

रोहतक। गांव किलोई में जमीन विवाद को लेकर बड़े भाई ने छोटे भाई व उसकी पत्नी पर हथियार से हमला कर दिया। सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में नरेंद्र सिंह ने बताया कि वह भूतपूर्व सैनिक है। सोनीपत पुलिस में कांस्टेबल के पद पर तैनात है। पांच मई को खेत में दादा की समाधि पर जोत लगाने गए तो वहां मैंने जमीन खरीद रखी है, उसमें सिंचाई की हुई मिली। जमीन को देख रहा था और मेरी पत्नी निर्मला बैठी हुई थी। तभी सुरेंद्र बाइक से खेते की तरफ आया और पत्नी के साथ गाली-गलौच करने लगा। फिर फोन कर सतीश, जोगिंदर, सतीश, अनु, सुरेंद्र व बाला पत्नी जोगिंदर ने हथियारों, लाठी आदि से हमला कर दिया।

मदवि में रिसर्च मैथडोलॉजी कार्यशाला का शुभारंभ पर बोले प्रोफेसर मान

मौलिक चिंतन व नवाचार युक्त शोध करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए मदवि के डीन, एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एएस मान एवं कार्यक्रम में मौजूद प्रोफेसर व विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

शोधार्थी शोध की मौलिकता, गुणवत्ता, विषय की नवीनता और उपयोगिता पर ध्यान दें। मौलिक चिंतन और नवाचार युक्त, समाज हितकारी तथा समस्या उन्मूलक शोध करें। यह कहा है महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के डीन, एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एएस मान नेऊ वे सोमवार को स्वराज सदन में-रिसर्च मैथडोलॉजी कार्यशाला का शुभारंभ कर रहे थे। एमडीयू के फैकल्टी ऑफ लाइफ साइंसेज, फैकल्टी ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज तथा चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सात दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि डीन प्रो. मान ने कहा कि एमडीयू में रिसर्च इको सिस्टम को मजबूत बनाने और शोध संस्कृति को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस किया जा रहा है। प्रो. मान ने कहा कि शोधार्थियों से शोध कार्य में नवाचार का समावेश और शोध निष्कर्षों की उत्कृष्टता और उपयोगिता पर ध्यान देने की बात कही। उन्होंने शोध में एथिकल वैल्यू को महत्वपूर्ण बताते हुए इस विशेष ख्याल रखने का आह्वान किया। शोध कार्यशाला में शामिल शोधार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि इस कार्यशाला में वे शोध के विभिन्न पहलुओं से रूबरू होंगे और शोध कार्य संबंधित अपने प्रश्नों के उत्तर जानेंगे।

गंभीर मामला विश्वविद्यालय का शिक्षक कर्मचारी संघ पीड़ित शिक्षकाओं के समर्थन में खड़ा हो गया

एमडीयू की महिला प्रोफेसरों ने डायरेक्टर पर लगाए यौन उत्पीड़न के आरोप, विवि ने हरासमेंट कमेटी को सौंपी जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय सीपीएएस-गुरुग्राम की शिक्षिकाओं ने उनके डायरेक्टर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप लगाए हैं। इस बारे में वीसी को बकायदा लिखित शिकायत दी गई है। एक साथ कई शिक्षिकाओं द्वारा उत्पीड़न के आरोपों की गंभीरता को देखते यूनिवर्सिटी प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। विश्वविद्यालय का शिक्षक कर्मचारी संघ पीड़ित शिक्षकाओं के समर्थन में खड़ा हो गया। संघ की तरफ से बकायदा वीसी को पत्र लिखकर मामले की जांच करवाने और डायरेक्टर डॉ. कैलाश से चार्ज वापस लेने की मांग की है। प्रधान डॉ. विकास सिवाच ने बताया कि संघ को कई शिक्षिकाओं ने डायरेक्टर द्वारा लगातार किए जा रहे उत्पीड़न की शिकायत की थी। ऐसे में

यूनिवर्सिटी प्रशासन ने जल्द से जल्द मामले की जांच करवानी चाहिए।

मानसिक प्रताड़ना से परेशान

शिकायत में एक शिक्षिका ने कहा है कि संस्थान के निदेशक डॉ. कैलाश कुमार के दुर्व्यवहार, मानसिक प्रताड़ना और धमकी से मैं परेशान हो चुकी हूं। गत 6 मई को स्टॉफ काउंसिल की मीटिंग में उन्होंने बहुत ही बदतमीजी से पद, उम्र, अनुभव सब सीमाओं को पार करते हुए ऊंगली दिखा कर सबकी मौजूदगी में मुझे धमकी दी। और चिल्लाते हुए कहा कि ''कर ली ना अथॉरिटी को मेल (गत 15 अप्रैल, 2023 के संदर्भ में)। होया कुछ? इस बार गवर्नर को कर। जा कर ले तेरे से जो करा जाए। जिसके पास मेल करणी है कर। कुछ नहीं होणा। शिक्षिका ने बताया कि मेरी गलती ये थी कि स्टॉफ रूम से मेरा अटेंडेंस रजिस्टर गायब हो गया।

जल्द ही मामले की जांच शुरू करवा दी जाएगी

मामले की जांच कर रही वर्कप्लेस हरासमेंट एंड महिला उत्पीड़न की चेयरमैन प्रो.सपना गर्ग ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने मामले की जांच करने के लिए मुझे आज ही फाइल भेजी है। जल्द ही मामले की जांच शुरू करवा दी जाएगी।

उप केंद्र अधीक्षक न बनाए जाने का कारण पूछने पर भड़के

रजिस्ट्रर गायब होने के बारे में निदेशक अवगत कराने के बावजूद अभी तक कोई रास्ता उन्होंने नहीं निकाला। शिक्षिका का आरोप है कि 6 मई को मीटिंग शुरू होने से पहले से ही केंद्र अधीक्षक डॉ. सुरेंद्र नारा (असिस्टेंट प्रोफेसर-लॉ) और उप केंद्र अधीक्षक डॉ. रविंद्र कुमार (असिस्टेंट लाइब्रेरियन) का नाम फाइनल हो चुका था। मीटिंग मात्र औपचारिकता निभाने के लिए थी। मुझे उप केंद्र अधीक्षक ना बनाए जाने का निदेशक से तीन बार कारण पूछने के दौरान डॉ. सुरेंद्र नारा का ऊंची आवाज में बात करना। मुझे बात करने से रोकने की कोशिश करते हुए मुझ पर चिल्लाना।

रोहतक। चयनित विद्यार्थियों से जानकारी लेते हुए विद्युत साथी एनर्जी के सह संस्थापक अंकित अग्रवाल व डीजीएम एसबी चरखवाल। फोटो: हरिभूमि

प्लेसमेंट में 43 विद्यार्थियों ने भाग लिया

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कॅरियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीसीपीसी निदेशक प्रो. दिव्या मल्हान ने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव कार्यक्रम में प्रतिष्ठित जेम पंडित और विद्युत साथी एनर्जी प्रा. लि. ने विजिट की। जेम पंडित की एचआर लीडर मनिनि तथा मैनेजर, सेल्स एंड ऑपरेशन्ज शाश्वत ने जूनियर सेल्स एसोसिएट्स के पद पर नियुक्ति के लिए योग्यता परीक्षण और साक्षात्कार का संचालन किया। विद्युत साथी एनर्जी के सह संस्थापक अंकित अग्रवाल, डीजीएम एसबी चरखवाल तथा सेल्स हेड ज्योति ने टीम लीडरों और अकाउंटेंट के पद पर नियुक्ति के लिए समूह चर्चा और साक्षात्कार का संचालन किया। इन दोनों प्लेसमेंट कार्यक्रमों में इमर्सॉर, यूआईईटी, पर्यावरण विज्ञान विभाग, सांख्यिकी विभाग, गणित विभाग और जनसंचार विभाग से कुल 43 विद्यार्थियों ने शिरकत की।

* मां मनुष्य के होंठों पर सबसे सुंदर शब्द है।
-खलील जिब्रान

मातृ दिवस, 12 मई
विशेष

हरिभूमि
रोहतक,मंगलवार
7 मई 2024

सहेली

बच्चों के लिए मां सिर्फ एक शब्द नहीं, उनका अनोखा-प्यारा संसार है। मां की अंगुली पकड़कर बच्चे चलना-बोलना और जीवन जीने की कला सीखते हैं। मां अनुभूतियों का ऐसा समंदर है, जिसकी गहराई में बच्चे मानवीय मूल्यों से जुड़ते हैं, रिश्ते निभाना सीखते हैं। मां का ममत्व वो शीतल छांव है, जिसके तले आकर बच्चे तपते सूरज की तपिश भूल जाते हैं। मां के बिना जीवन अधूरा है। मां है तो जीवन रोशन है। मां की महिमा अपरंपार है।

अनुभूति

जीवन की डगर पर मां की सीखें

बच्चों की प्रथम पाठशाला परिवार को माना जाता है। इस पाठशाला की प्रथम अध्यापिका मां होती है, जिसकी देख-रेख में बच्चे जीवन की वो सीखें लेते हैं, जो जीवन को सही ढंग से जीने के लिए जरूरी हैं। यहां अपने-अपने क्षेत्र की तीन हस्तियां सहेली को बता रही हैं, इन्होंने अपनी मां से कौन-सी ऐसी बातें सीखीं, जो जीवन के लिए जरूरी सबक हैं।

काम के साथ घर का ख्याल रखना मां से सीखा

अपरा मेहता, अभिनेत्री

मेरी मां मंदाकिनी मेहता सुशिक्षित और आधुनिक विचारों वाली महिला थीं। मैं उनकी इकलौती संतान हूं, फिर भी उन्होंने मुझे बहुत ही अनुशासन में रखा। अधिक लाड़-प्यार देकर उन्होंने मुझे बिगड़ने नहीं दिया। मेरी मां पढ़ाई के साथ स्कूल की हर एक्टिविटी में हमेशा मुझे सबसे आगे रखती थीं। मां खुद भी थिएटर आर्टिस्ट थीं, लेकिन शादी के बाद जब मेरी बेटी का जन्म हुआ तो उसकी देखभाल के लिए उन्होंने अपना काम छोड़ दिया, क्योंकि अभिनय के क्षेत्र में वह मुझे आगे बढ़ते देखना चाहती थीं। मेरे करियर के लिए उन्होंने अपना करियर दांव पर लगा दिया। बचपन में जब मां मेरे साथ सख्ती भरा व्यवहार करती थीं, मुझे बहुत बुरा लगता था, लेकिन अब समझ में आता है कि आज मैं जो कुछ भी हूं, वह उनके कारण ही हूं। बचपन में मैं क्लास में हमेशा फर्स्ट आती थी, वह मेरी तारीफ नहीं करती थीं। उनका कहना था कि अपने बच्चे की प्रशंसा तो सभी करते हैं, असली उपलब्धि तो तब है, जब दूसरे लोग हमारे बच्चे की तारीफ करें। मेरी मां ने मेरी परवरिश इस तरह से की कि मैं एक नेक इंसान बनूं। जब मेरे पिता जी का निधन हो गया तो उसके बाद मैंने उन्हें हमेशा के लिए अपने पास बुला लिया ताकि मैं उनकी अच्छी तरह देखभाल कर सकूं। मेरी बेटी खुशाली को भी उन्होंने बहुत अच्छे संस्कार दिए हैं। मेरी मां बहुत अच्छी होममेकर थीं, घर को बहुत सजा-संवार कर रखती थीं। काम के साथ घर का ख्याल रखना मैंने उनसे ही सीखा है। मुझे याद है, जब भी मैं अनावश्यक शॉपिंग करती तो वो मुझे बहुत डांटती थीं। मुझे हमेशा सोच-समझकर खर्च करने के लिए प्रेरित करती थीं। दो साल पहले 91 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। मदर्स-डे के अवसर पर मैं उन्हें याद करते हुए यही कहना चाहूंगी कि अपनी बेटी के लिए मैं भी वैसी ही मां बनने की कोशिश कर रही हूं, जैसी वह एक आदर्श मां थीं।

आवरण कथा / डॉ. मोनिका शर्मा

मां अनुभूतियों में रचा-बसा रिश्ता

हर बच्चे के लिए स्नेह और सुकून की प्यारी छांव-सी होती है- मां। बच्चे के दुनिया में आने से पहले उसका मां से जुड़ जाने वाला रिश्ता सचमुच अनमोल होता है। मानवीय जीवन को पालने-पोसने की इस यात्रा में एक मां अपने बच्चे के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर देती है। यह रिश्ता मन की अनुभूतियों की बुनियाद पर टिका होता है। जीवन के हर पड़ाव पर मां का भरोसा बच्चों को थामे रखता है। जीवन मूल्यों को सीखने-सिखाने का यह सफर मन के बंधन का सबसे सुंदर रिश्ता है। दायित्व निर्वहन से जुड़ी मेहनत हो या भावनाओं को समझने का मामला, मां स्वयं एक उदाहरण बनकर बच्चों को जीवन के हर पहलू से जुड़ी सीख देती है।

ममत्व के साथ जीवन की सीखें

मां के मन में रचा-बसा ममता का भाव, बच्चों का जीवन संवारता है। हर पीढ़ी के लिए ही मां से मिलने वाली शिक्षा का कोई दूसरा पर्याय नहीं है। ममत्व की नमी के साथ अनुभवों को वास्तविकता का रंग देकर मां अपने बच्चों को भविष्य में हर परिस्थिति से जूझने के लिए तैयार करती है। मातृत्व का भाव ही ऐसा है कि बच्चों की कमजोरियों को दुनिया से छुपाने वाली मां स्वयं बिन बताए उनकी हर कमजोरी को समझ जाती है। इसी समझ के बल पर बच्चों को मां स्नेह भरी समझाइश के साथ उनकी हर कमी से उनको बाहर निकाल लाती है। बच्चों के मन को जीवन के हर पड़ाव पर मजबूती देने का काम मां से बेहतर कोई नहीं कर सकता। मां ही बच्चों को अपने परिवार, परिवेश से जुड़ना सिखाती है। कामयाबी की राह पर बढ़ने का बल देती है। मां,

तकलीफों से जूझना भी सिखाती है और सुकूनदायी लम्हों को जी भरकर जीना भी। परेशानियों के दौर में संभलने और आनंद के समय मुस्कुराने का पाठ तो मां बच्चे को दुनिया में आने से पहले ही सिखाने लगती है। मातृत्व की जिम्मेदारी से जुड़ा ममत्व का भाव बच्चों को मानवीय पीड़ा समझने का भी पाठ पढ़ाता है। तभी तो हर पीढ़ी के लिए ही मां से मिली हर सीख आज भी समाज और परिवार को बांधने-साधने का माध्यम बनी हुई है।

नेह की नमी का पोषण

मां के नेह की नमी बच्चों के जीवन की जड़ों को सींचती है। बात केवल शारीरिक-मानसिक देखभाल की नहीं, मां का साथ मनोभावों के मोर्चे पर भी बालमन को थामने का काम करता है। उम्र भर मां का यही स्नेह जीवन की जद्दोजहद में आत्मबल जुटा लेने का हौसला देता है। उलझे हालातों की कड़ी धूप में मां के स्नेह का भाव शीतल छाया के समान लगता है। जीवन के कठिन से कठिन दौर में भी अपने बच्चों का साथ ना छोड़ने वाली मां का मन बदलते समय के साथ भी नहीं बदला है। तकनीक की दस्तक और काम-काजी भाग-दौड़ के बावजूद बच्चों पर स्नेह लुटाने की उसकी सोच आज भी कायम है। हमारे सामाजिक परिवेश में तो अपने हर सपने को छोड़ बच्चों का जीवन संवारने के लिए जिंदगी दांव पर लगा देने वाली मांएं भी कम नहीं हैं। उम्र के आखिरी पड़ाव तक भी मां का मन खुद माता-पिता बन चुके अपने बच्चों के लिए चिंतित रहता है। उसके प्यारे रिश्ते के नेह की नमी कभी नहीं सूखती।

अनुभूतियों का पुल

मां और बच्चों को अनुभूतियों का एक साझा पुल जोड़कर रखता है। तभी तो मां बच्चों की चुप्पी को ही नहीं, आक्रोश को भी समझ जाती है। प्रेम-स्नेह को ही नहीं, शिकायतों को भी मन से स्वीकारती है। मार्क ट्वेन ने कहा है, 'मां के बिना जीवन अधूरा होता है।' सच ही है, क्योंकि बच्चों की खुशी और पीड़ा दोनों में साथ देने वाली मां ही होती है। कही-अनकही हर बात को समझने वाला दिल बस मां के पास ही होता है। बच्चों की खुशी में भी मां की आंखों से आंसू बह निकलते हैं। उपलब्धियों और सफलता के दौर में भी सधकर चलने और शीर्ष पर बने रहने का आशीष मां का मन ही दे सकता है। बिना किसी शर्त के समर्पण और स्नेह भरी अनुभूतियों की लिए मातृत्व का संसार पीढ़ी-दर-पीढ़ी इस जुड़ाव को सींचता आ रहा है। आज भी पीड़ा में सबसे पहले मुंह से मां शब्द ही निकलता है। भय से जूझते हुए मां के प्यारे स्पर्श और कड़कती धूप में सिर पर डाल देने वाले आंचल की ही याद आती है। सफलता हो या अफसलता, हर पड़ाव पर छोटी-छोटी सीख देकर जीवन को दिशा देने वाली मां का ख्याल आ ही जाता है। कितनी ही भूमिकाएं निभाती मां हर पल मन-जीवन में अपनी मौजूदगी बनाए रखती है। इसीलिए कहा भी गया है कि मां, वह है, जो अन्य सभी की जगह ले सकती है, लेकिन एक मां की जगह कोई और नहीं ले सकता।

मां से मिली सेवा भावना

ममता कालिया, साहित्यकार

अपनी मां से मेरा रिश्ता पारंपरिक ढर्रे से कुछ अलग हटकर था। इसकी एक बड़ी वजह यह भी थी कि उनका विवाह कम उम्र में ही हो गया था। उनकी शादी के बाद जल्द ही हम दोनों बहनों का जन्म हुआ। दो बेटियों के जन्म के बाद रिश्तेदार उन्हें देखकर उनके प्रति सहानुभूति प्रदर्शित करने लगे कि इस बेचारी की दो बेटियां हैं, इन बातों से मेरी मां अकसर उदास रहती थीं। मेरी बड़ी बहन बहुत सुंदर थी, जबकि मेरी शक्ल, सूरत बेहद मामूली थी। शायद इसी वजह से मां मेरे प्रति थोड़ी अनमनी-सी रहती थीं। इसके अलावा मेरी रुचि पढ़ने-लिखने में ज्यादा थी, घर के काम-काज में मैं उनका जरा भी हाथ नहीं बंटाती थी। इस मामले में पिताजी भी मेरा साथ देते थे। इसी वजह से बचपन में मां के साथ मेरे रिश्ते में प्रगाढ़ आत्मीयता नहीं थी, लेकिन जब मेरी बहन ने अपनी मर्जी से प्रेम विवाह कर लिया, उसके बाद मां बहुत बीमार रहने लगीं। तब उनके साथ वक्त बिताने की वजह से उनसे मेरा भावनात्मक बंधन मजबूत हुआ। पिताजी आकाशवाणी में निदेशक थे, घर में भौतिक सुख-सुविधाओं की कमी नहीं थी, लेकिन घर में मां को पिता के साथ बराबरी का जीवन जीने का अवसर नहीं मिला, इससे उनका व्यक्तित्व थोड़ा दब-सा गया था। लेकिन उनमें सेवा की भावना बहुत ज्यादा थी, दूसरों की मदद करना मैंने उनसे ही सीखा है। आज भले ही वह हमारे बीच नहीं हैं, पर मदर्स-डे के अवसर पर मैं उनसे यही कहना चाहूंगी कि मां आज मुझे देखकर तुम बहुत खुश होती, अब मैं तुम्हारी आज्ञाकारी बेटी बन गई हूं। तुम्हारी ही तरह मैं भी अपना घर सुव्यवस्थित रखती हूं।

मां ने बचपन से ही मुझे आत्मनिर्भर बनाया

इरा टाक, लेखिका-फिल्म निर्मात्री

मेरी मां कॉलेज में प्राध्यापिका थीं। वह बहुत ज्यादा पढ़ती थीं, भाषा के प्रति वह बहुत सचेत रहती थीं। पढ़ने-लिखने और भाषा के प्रति अच्छी समझ रखने का संस्कार मुझे अपनी मां से ही मिला है। मेरे पिताजी की पोस्टिंग दूसरे शहर में थी, वह ज्यादातर वहीं रहते थे। ऐसे में मां ही अकेले पूरे घर को बहुत अच्छी तरह संभालती थीं। उन्होंने बचपन से ही मुझे आत्मनिर्भर बनाया। दस-बारह साल की उम्र में उन्होंने मुझे खाना बनाना सीखा दिया था। मैंने अपने कपड़े धोने सीखे, प्रेस करना सीखा। दूसरे भी वो काम करने लगी थी, जो बड़े करते हैं। बचपन में मैं अपनी पॉकेटमनी से पैसे बचाकर हर साल मदर्स-डे के अवसर पर उनके लिए गिफ्ट खरीद कर जरूर लाती थी। मुझे याद है, रात को सोने से पहले वह अकसर मुझे कहानियां सुनाती थीं। इन कहानियों जो सीख मिलती थी, उसको भी वह बताती थीं। मां की सुनाई कहानियों से मैंने जीवन के कई सबक सीखे। अच्छे-बुरे के बारे में जाना। किताबें पढ़ने की अच्छी आदत मुझे उनसे ही मिली है। ये किताबें ही होती हैं, जो हमारा मार्गदर्शन करती हैं, हमें मोटिवेट करती हैं। अपनी मां से मैंने जीवन में अनुशासन का सबक सीखा है। उन्हीं की वजह से ही मैं आज भी अनुशासित दिनचर्या अपनाती हूं। 2015 में मेरी मां का स्वर्गवास हो गया। आज जब भी मेरी कोई नई किताब आती है या मुझे कोई पुरस्कार मिलता है तो मुझे मां की बहुत याद आती है। मदर्स-डे के अवसर पर मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहती हूं कि उन्हीं के बताए रास्ते पर चलने के कारण आज मैं जीवन में कामयाब हूं, खुश हूं। मैं सहेली की पाठिकाओं से यही कहूंगी, अपनी मां की सीखों को हमेशा अपने दिमाग में रखें, क्योंकि उन सीखों में जीवन को सही ढंग से जीने की कला छुपी होती है। ये सीखें आगे बढ़ने की राह बनाएंगी, जीवन को सुखी रखेंगी।

प्रस्तुति : विनीता

सलाह / मनीषा

हर दिन हो मां के लिए खास...

हम साल में सिर्फ एक दिन मदर्स-डे मनाकर अपनी मां के प्रति प्रेम-स्नेह और कृतज्ञता के भाव प्रकट करके इतिश्री मान लेते हैं, जबकि हमारी मांएं हमारे लिए जितना कुछ करती हैं, उनके लिए यह एक दिन का शुक्राना बहुत कम है। सच तो यह है, हमें लगता है कि घर के काम करना, हमारा खयाल रखना तो मां की आदत है। जबकि हमें भी उनकी जरूरतों और भावनाओं का खयाल रखना चाहिए। इसके लिए हमें कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

घरेलू कार्यों में सहयोग दें : हमारी मांएं सुबह से लेकर शाम तक घर के कामों में लगी रहती हैं, उन्हें आराम करने का समय नहीं मिलता, जबकि उनके स्वास्थ्य के लिए आराम जरूरी है। वह आराम तभी कर आएंगी जब उनके काम का बोझ कम होगा। उनका यह बोझ तभी कम होगा, जब हम घर के कामों में उनका हाथ बंटाएंगे। हम रोजमर्रा के घरेलू कार्यों जैसे किचेन में सब्जी काटकर, रोटियां बेलकर, डाइनिंग टेबल पर खाना सर्व करके घर की सफाई में मदद करके उनके कामों को हल्का कर सकते हैं। हमारी इस मदद से उन्हें आराम मिलेगा।

मां के लिए समय निकालें: चाहे आप कितनी ही व्यस्त क्यों ना रहती हों, आप रोजाना अपनी मां से बातें करने के लिए समय जरूर निकालें। इस दौरान उनकी सुनें, उनका हाल जानें। अगर सेहत से संबंधी कोई परेशानी हो तो उन्हें डॉक्टर के पास लेकर जाएं। इससे उन्हें लगेगा उनका कोई ख्याल रखने वाला है।

शौक पूरा करने के लिए प्रेरित करें: हमारी परवरिश और घर-गृहस्थी की जिम्मेदारियां निभाने के चक्कर में हमारी मांओं के पास अपने लिए कोई समय नहीं बचता, इस कारण उनके कुछ शौक, ख्वाहिशें पूरी नहीं हो पातीं। लेकिन अब आप उनकी हॉबीज जानें। इसे पूरा करने के लिए उन्हें प्रेरित करें। इस तरह जब आप अपनी मां का खयाल रखेंगी तो हर दिन मां के लिए खास होगा।

डाइट सजेशन

डॉ. शालिनी सिंघल, डाइटिशियन, दिल्ली

तब आपकी मां रहेंगी हेल्दी-एनर्जेटिक

आप जरूर चाहेंगी कि आपकी मां हमेशा हेल्दी-एनर्जेटिक रहें, ओल्ड एज में होने वाली हेल्थ प्रॉब्लम्स से बची रहें। इसके लिए आपको उनके हेल्थ की प्रॉपर केयर के साथ ही उनकी डाइट का भी ध्यान रखना होगा।

पचास की उम्र के बाद होने वाले शारीरिक-मानसिक बदलावों का असर सभी महिलाओं पर पड़ता है। इस एज में वे मेनोपॉज की स्थिति से गुजर रही होती हैं या गुजर चुकी होती हैं। इस उम्र में शरीर का मेटाबॉलिक रेट कम होने से इम्यून सिस्टम कमजोर, बोन डेंसिटी कम और मसल्स लॉस होने लगते हैं। इन वजहों से वे ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, ऑस्टियोपोरोसिस, इनसोम्निया, एंग्जाइटी, डिप्रेशन जैसी कई बीमारियों की गिरफ्त में आ सकती हैं। ऐसा आपकी मां के साथ ना हो, इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी मां का पूरा खयाल रखें।

न्यूट्रिशस डाइट है जरूरी: अपनी मां को ऐसी डाइट दें, जिनमें सभी मैक्रोन्यूट्रिएंट्स (कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, फैट) और माइक्रोन्यूट्रिएंट्स (विटामिन और मिनरल्स) शामिल हों। इसके लिए उनके हर मील में सभी फूड ग्रुप्स होने चाहिए। कहने का मतलब है कि उनकी डेली डाइट में एनर्जी देने वाले (कार्बोहाइड्रेट), बोंस को स्ट्रॉन्ग बनाने वाले (प्रोटीन, कैल्शियम) और प्रोटेक्टिव (विटामिंस, मिनरल्स) फूड्स जरूर शामिल करने चाहिए।

इम्यूनिटी बूस्टर फूड्स: ओल्ड एज में इम्यून सिस्टम कमजोर होने से न्यूट्रिशन संबंधी जरूरतें बदल जाती हैं। इसलिए मां की डाइट में फाइटोन्यूट्रिएंट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स को शमिल करके उनको हेल्दी बनाए रख सकते हैं। इसके लिए आपको हल्दी, जीरा, तुलसी के पत्ते, दालचीनी, अदरक, लहसुन जैसे इम्यूनिटी बूस्टिंग फूड्स किसी न किसी रूप में अपनी मां को जरूर देना चाहिए।

फाइबर रिच आइटम्स: बढ़ती उम्र के साथ महिलाओं का डाइजेस्टिव सिस्टम थोड़ा कमजोर हो जाता है। ऐसे में उन्हें फाइबर रिच फूड्स जैसे- चोकरयुक्त आटा, साबुत दालें, साबुत अनाज देने से उनको डाइजेशन संबंधी परेशानियां नहीं होंगी।

ग्रीन वेजिटेबल्स: हरी सब्जियां (खासकर पत्तेदार सब्जियां) कैलोरी में कम लेकिन विटामिन बी, ए, के, कैल्शियम और आयरन से भरपूर होती हैं। ये हड्डियों को मजबूती देने के साथ ओवरऑल हेल्थ बनाए रखने में भी मदद करती हैं। इसलिए आप अपनी मां को डेली कम से कम दो छोटी कटोरी सब्जियां जरूर खिलाएं। सलाद खाना सेहतमंद होता है। लेकिन अगर आपकी मां के दांत कमजोर हो रहे हैं, तो उन्हें कच्ची सब्जियां या सलाद कद्दूकस करके या बारीक कटी ही खाने के लिए दें ताकि उन्हें चबाने में या पाचन संबंधी दिक्कत न हो।

प्रोटीन रिच फूड्स: ओल्ड एज में होने वाले मसल्स लॉस से बचाने के लिए अपनी मां की डाइट में प्रोटीन रिच फूड्स जैसे- दालें, सोयाबीन, मूंगफली, अंडे, लो-फैट गाय का दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स आदि ज्यादा से ज्यादा शामिल करना चाहिए।

कैल्शियम-विटामिन डी: बोन डेंसिटी कम होने या ऑस्टियोपोरोसिस से बचाने के लिए मां की डाइट में कैल्शियम और विटामिन डी भी पर्याप्त मात्रा में होने चाहिए। कैल्शियम के लिए लो फैट दूध और दूध से बने पदार्थ, सोयाबीन और उससे बने पदार्थ, हरी पत्तेदार सब्जियां, सफेद तिल, सीड्स, रागी का आटा जैसे फोर्टिफाइड अनाज ले सकती हैं। विटामिन डी के लिए मशरूम, साल्मन मछली, अंडे, कॉडलिवर ऑयल लेना जरूरी है।

हेल्दी फैट: मां की डेली डाइट में हेल्दी फैट भी होना चाहिए। इसके लिए उन्हें सीमित मात्रा में देसी घी दे सकती हैं। इसके अलावा फूड के रूप में 3 टीस्पून या 15 मिली. हेल्दी ऑयल भी दे सकती हैं। इसके उनके बोंस स्ट्रॉन्ग रहेंगे और ज्वाइंट्स में ग्रीस भी बनी रहेगी।

पानी-लिक्विड डाइट: ओल्ड एज में स्किन प्रॉब्लम्स और डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए मां को रोजाना पर्याप्त मात्रा में यानी 8 से 10 गिलास पानी पीने के लिए कहना चाहिए। आप चाहें तो उनको नीबू-पानी, नारियल पानी, लस्सी, मट्ठा, वेजिटेबल सूप, फ्रूट जूस जैसे लिक्विड डाइट भी दे सकती हैं।

नमक-चीनी की मात्रा: मां की डाइट में नमक और चीनी संतुलित मात्रा में होने चाहिए। खाने में चीनी या नमक ऊपर से डालकर नहीं खाने देना चाहिए। ज्यादा नमक से ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक, स्ट्रोक और ज्यादा चीनी से मोटापा, डायबिटीज होने का रिस्क बढ़ता है। डब्ल्यूएचओ भी एक वयस्क व्यक्ति को रोजाना 5 ग्राम से कम आयोडाइज्ड नमक और 15-20 ग्राम तक चीनी लेने की सलाह देता है।

प्रस्तुति:रजनी अरोड़ा

बात अपनी

यासमीन सिद्दीकी

मां को हर वक्त अपने घर-परिवार और बच्चों की इतनी ज्यादा चिंता रहती है कि उसे अपने लिए कुछ सोचने, कुछ करने की सुधि ही नहीं रहती। यह तो अपने आपको खत्म करना है। क्या मां की खुशी कोई मायने नहीं रखती, उसका कोई वजूद नहीं है...? मां के लिए एक कोशिश।

मां तुम्हारी भी हैं कुछ खुशियां तुम्हारा भी है एक वजूद...

बचपन से मैं तुम्हें देख रही हूं मां, तुम ना कभी थकती हो, ना रुकती हो। तुम रोज सबसे बाद में सोती हो और सबसे पहले उठ जाती हो। थकान और ना जैसे शब्द तुम्हारी शब्दावली में नहीं हैं। इस मदर्स-डे पर मां मैं तुमसे अपने मन की बातें कहना चाहूंगी। सदियों से समाज तुम्हें मां बनाकर महानता का दर्जा देता आया है। सुनो मेरी मां, अब इस महानता का चोला उतारकर, अपनी ख्वाहिशों की ओढ़नी ओढ़ लो। मत कसो अपने आपको समाज की कसौटी पर।

मां होने का अर्थ: मां आपसे अपनी बातें कहने से पहले मैं अपने जैसे लोगों से कुछ कहना चाहूंगी। मां शब्द जब भी हमारे जेहन में आता है। हम एक ऐसी महिला की कल्पना करते हैं, जो अपने बच्चों को मुसीबत से बचाने के लिए कभी शेरनी बन जाती है तो कभी अपने अस्वस्थ बच्चों के लिए हकीम बन जाती है। अकसर अपने बच्चों में अपनी दुनिया को देखने वाली हमारी मांओं की अपनी दुनिया कहीं खो जाती है। लेकिन अगर हम कोशिश करें तो अपनी मां को वो सहज जिंदगी दे सकते हैं, जिसकी वो अधिकारी है। तो चलिए इस मदर्स-डे पर हम अपनी मां से कहें -

बोलो कि थक गई हो: हम बहुत आसानी से कह देते हैं कि मां को मैंने कभी थकते हुए नहीं देखा। मेरी मां बिना रुके काम करती है। अगर मैं उससे आधी रात में कुछ बनाकर खाने को देने के लिए कहूंगी तो बनाएगी। लेकिन मां तुम स्वयं को अभिव्यक्त करना सीख लो। थकने का अधिकार तुमको भी उतना है, जितना हमें है। बस हम कह देते हैं और तुम नहीं कह पाती, अपने दर्द को सहती हो। मां अब मत सहो, हम तुम्हारे बच्चे हैं, हमसे काम करवाओ।

हम नहीं करें तो हमें डांटो, लेकिन हर काम की जिम्मेदारी लेकर खुद को और मत थकाओ मां।

ना कहना सीखो: मां तुम जानती हो कि तुम्हें हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत क्यों हो गई? ऐसा इसलिए क्योंकि तुम किसी काम के लिए ना ही नहीं कह पाती। तुमको बुरा भी लगता है, तकलीफ भी होती है, लेकिन तुम सहती हो। बेटी हूं आपकी, सब समझती हूं। बहुत जरूरी है, ना कहना भी सीखो, मां।

पापा की साथी भी हो: हां जब हम छोटे थे, तब स्वाभाविक था कि हम पर तुम्हें ज्यादा ध्यान देना होता था, लेकिन अब हम बड़े हो चुके हैं मां। इस घर में एक और रिश्ता है, आपका और पापा का। आप दोनों एक-दूसरे को समय दें। हम भी तो अपने दोस्तों के साथ अकेले घूमने जाते हैं तो आप दोनों भी कभी डिनर डेट पर जाओ। क्यों हमेशा हमारे साथ ही आउटिंग पर निकलती हो। सच कहें कि आप और पापा एक-दूसरे को समय देंगे तो हमें भी खुशी होगी।

मां तुम्हारी सहेलियां कहां हैं: मां अकसर आप अपनी सहेलियों का जिक्र करती हैं। लेकिन कभी उन दोस्तों के साथ मिलने का प्लान भी बनाइए। हां, अब आप कहेंगी कि नाते-रिश्तेदार निपट जाएं, वही बहुत है। लेकिन मां जिस तरह से आप इतने बड़े परिवार को संभालती आई हैं, कोशिश करेंगी तो आप अपनी पुरानी जिंदगी को फिर से सजा लेंगी।

एक दिन आपकी पसंद का: मां घर में खाना बनता ही वो है, जो हमें पसंद है। लेकिन जब भी आपसे पूछो कि मां आपको क्या पसंद है तो जवाब मिलता है 'अरे मेरा क्या है? मैं तो सभी कुछ खा लूंगी।' नहीं मां, एक दिन अपनी पसंद का खाना हमसे बनाने को कहो, हम बड़े प्यार से बनाएंगे। हमें भी पता चले कि हमारी मां की पसंद-नापसंद क्या है?

मुश्किल नहीं है बदलाव: आपको लग रहा होगा कि यह सब किताबी बातें हैं। ऐसा हो नहीं सकता, लेकिन मां सच है कि समाज में इस बदलाव को लाना इतना मुश्किल भी नहीं है। बदलाव धीरे ही सही, लेकिन आते जरूर हैं। हैप्पी मदर्स-डे मां!

खबर संक्षेप

सांखोल में अतिक्रमण पर कार्रवाई की मांग

बहादुरगढ़। गांव सांखोल में अतिक्रमण व अवैध पार्किंग से लोगों को परेशानी हो रही है। इस संबंध में वहां के निवासी एक व्यक्ति ने प्रशासनिक अधिकारियों से कार्रवाई की मांग उठाई है। भगवान सिंह राठी का कहना है कि गांव में दोनों तरफ नालों पर कब्जा है। सड़क किनारे बेतरतीब ढंग से वाहन खड़े रहते हैं। इस कारण मार्ग की चौड़ाई सिकुड़ी रहती है और यातायात प्रभावित रहता है। उन्होंने इस संबंध में एसडीएम बहादुरगढ़ आफिस में ज्ञापन दिया है।

नर्सिंग की छात्राओं के लिए बसें रुकवाने की मांग

बहादुरगढ़। जनजागरण समिति ने हरियाणा परिवहन निगम के अधिकारियों को पत्र लिखकर महाराजा अग्रसेन मेडिकल यूनिवर्सिटी के सामने रोडवेज बसों को रुकवाने की व्यवस्था करने की मांग की है। बेशक मेडिकल यूनिवर्सिटी अभी शुरू नहीं हुई है, लेकिन लंबे समय से यहां नर्सिंग कॉलेज व होस्टल चल रहा है। इसका हवाला देते हुए समिति ने निगम के स्टेशन प्रबंधक को पत्र लिखा है। पत्र में नूना माजरा गांव से पहले टाटा होम्स के सामने झज्जर रोड पर बसों का हॉल्ट करवाने की मांग की है।

जहरीले पदार्थ के सेवन से युवक की मौत

बहादुरगढ़। दिल्ली के निवासी एक युवक की बहादुरगढ़ में मौत हो गई। किसी जहरीले पदार्थ के सेवन से मौत की आशंका जताई जा रही है। मृतक की पहचान करीब 20 वर्षीय सुजल के रूप में हुई है। दिल्ली के किराड़ी इलाके का रहने वाला था। वह यहां अनाज मंडी में अपने ताऊ के पास आया हुआ था। इसी दौरान किसी पदार्थ के सेवन से उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे अस्पताल में लाया गया। जहां देर रात को उसने प्राण त्याग दिए।

तबीयत बिगड़ने से एक व्यक्ति की मौत

बहादुरगढ़। टीकरी बॉर्डर पर रहने वाले एक व्यक्ति की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। हृदयाघात की आशंका जताई जा रही है। मृतक की पहचान जगजीवन के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, जब वह नहा रहा था तो अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों की नजर पड़ी तो वह बेसुध अवस्था में था।

वोट प्रतिशत बढ़ाना प्रशासन के लिए बना चुनौती

रोहतक लोस : 18,63,973 मतदाता चुनेंगे अपना सांसद

■ असमर्थ दिव्यांग मतदाता अपने साथ ले जा सकेंगे सहयोगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

लोकसभा क्षेत्र में 18 लाख 63 हजार 963 मतदाता है। इन मतदाताओं में 9 लाख 86 हजार 777 पुरुष मतदाता, 8 लाख 77 हजार 196 महिला मतदाता शामिल है। रोहतक लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत जिला की महम, गढ़ी-सांपला-किलोई, रोहतक एवं कलानौर विधानसभा क्षेत्र, झज्जर जिला की बहादुरगढ़, बादली, झज्जर व बेरी विधानसभा क्षेत्र तथा रेवाड़ी जिला की कोसली विधानसभा क्षेत्र शामिल है। इन 9 विधानसभा क्षेत्रों में 547 गांव शामिल है।

पहले और दूसरे चरण में मतदान का प्रतिशत काफी कम रहा है। ऐसी नौबत हरियाणा में उत्पन्न ना हो, इसके लिए प्रशासन वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रयास कर रहा है। लगातार स्विप गतिविधियां करवाई जा रही हैं। इसके बावजूद अगर मत फीसद नहीं बढ़ता है तो ये अपने आप में बड़ी बात हो जाएगी। जानकार लोग मानते हैं कि लोगों की राजनीतिक दलों के प्रति रूचि कम हो रही है। कम होने की वजह है कि सत्ता मिलने के बाद लोगों की मूलभूत जरूरतें तक पूरी नहीं करते हैं। उदाहरण के तौर पर रोहतक शहर को ही देख लें। जहां आधे शहर को सरकार पिछले दस साल में पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं करवा पाई। ऐसे में इलेक्शन को लेकर मतदाता में रूचि ना होना स्वभाविक हो जाता है।

मशीन का बटन दबाकर वोट डालने में असमर्थ दिव्यांग मतदाता एवं असक्त नेत्रहीन दिव्यांग मतदाता वोट डालने के लिए एक सहयोगी को अपने साथ लेकर जा सकते हैं। सहयोगी की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। समर्थ दिव्यांग मतदाता के साथ आने वाले सहयोगी दिव्यांग मतदाता को वोटिंग कक्ष तक ले जा सकते हैं, परंतु सहयोगी वोटिंग कक्ष के अंदर नहीं जा सकते हैं।

शत-प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। स्वीप अभियान के तहत शिक्षा विभाग द्वारा निरंतर विद्यालयों में जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में गांव चांदी स्थित राजकीय उच्च विद्यालय, भैणी मातो स्थित राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, बहलबा स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तथा गांव बहु अकबरपुर स्थित राजकीय कन्या कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं अभिभावकों की बैठक आयोजित कर अभिभावकों को मतदान के लिए प्रोत्साहित किया गया। विद्यालयों में अभिभावक-अध्यापक मीटिंग आयोजित कर उन्हें 25 मई को छठे चरण में होने वाले लोकसभा चुनाव के मतदान में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

लोकतंत्र में हर वोट का महत्व

लोकतंत्र में हर वोट का महत्व होता है, इसलिए प्रत्येक मतदाता का यह कर्तव्य बनता है कि वह एक दिन देश के नाम अवश्य करें।

अजय कुमार, रोहतक लोकसभा के रिटर्निंग अधिकारी।

क्षेत्र में 1884 मतदान केंद्र

क्षेत्र में 1884 मतदान केंद्र बनाये गए हैं। 21 किन्नर मतदाता, 455 अतिविशिष्ट मतदाता, 23331 सर्विस मतदाता तथा 15677 दिव्यांग मतदाता है। निर्वाचन आयोग की ओर से नेत्रहीन दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए एपिक कार्ड और फोटो वोटर स्लिप ब्रेल लिपि में छपवाई गई है और ब्रेल बैलेट पेपर तथा ईवीएम पर स्लिप की सुविधा भी उपलब्ध होगी। इसके अलावा, दिव्यांग मतदाताओं को अनेक प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं, जिसमें व्हीलचेयर की व्यवस्था, मतदान केंद्रों में रैम्प और परिवहन की सुविधा शामिल है। सभी दिव्यांग मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने और वापस घर छोडने के लिए वाहन की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी और चलने फिरने में असमर्थ मतदाताओं को व्हीलचेयर भी उपलब्ध करवाई जाएगी। प्रत्येक मतदान केंद्र पर रैम्प की व्यवस्था भी की जाएगी।

पीठासीन अधिकारी किए जा रहे प्रशिक्षित : डीसी

■ इवीएम की कार्यप्रणाली की डेमो सहित जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार के निर्देशानुसार लोकसभा आम चुनाव में चुनाव ड्यूटी पर तैनात पीठासीन अधिकारियों तथा सहायक पीठासीन अधिकारियों की चुनाव प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सांपला के उपमंडल अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी ने सोमवार को जिला विकास भवन स्थित सभागार में पीठासीन अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया। संसाधन अधिकारी के तौर पर सहायक रिटर्निंग अधिकारी सुभाष चंद्र जून ने पीठासीन अधिकारियों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की कार्यप्रणाली की डेमो सहित जानकारी दी।

मीटिंग में डीसी ने पीठासीन अधिकारियों को फार्म 17-सी, पीठासीन अधिकारी डायरी, पीठासीन अधिकारी घोषणा तथा पीठासीन अधिकारी रिपोर्ट, चुनाव प्रक्रिया के तहत राजनीतिक एजेंट, मॉक पोल व वास्तविक पोल के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अबकी बार लोकसभा चुनाव में वास्तविक मतदान शुरू होने से 90 मिनट पहले 25 मई को सुबह 5:30 बजे राजनीतिक एजेंटों की उपस्थिति में मॉक पोल करवाना है। मॉकपोल में प्रत्येक उम्मीदवार को बराबर-बराबर वोट डलवानी है तथा मॉकपोल में कम से कम 50 वोट डलवाना अनिवार्य है। इसके बाद इन एजेंटों को वोटों की गिनती भी दिखानी है। मतदान के समय मतदान की गोपनीयता रखना सुनिश्चित करना होगा। इसके अलावा उन्होंने मतदान शुरू व खत्म होने के समय रखी जाने वाली सावधानियों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

आज महम में प्रशिक्षण

कार्यक्रम के तहत 7 मई को महम के उपमंडल अधिकारी (नागरिक) एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी दलबीर फोगाट द्वारा संसाधन अधिकारी के रूप में सुबह 9 बजे से सांय 5 बजे तक विभिन्न शिफ्टों में पीठासीन अधिकारी व सहायक पीठासीन अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसी तरह 8 मई को सांपला के उपमंडल अधिकारी (नागरिक) एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी द्वारा 4 शिफ्टों में सुबह 9 बजे से सांय 5 बजे तक सहायक पीठासीन अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा।

नाटक प्रतियोगिता में 12वीं की टीम प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ शिक्षा भारती विद्यालय में जीएसटी पर कार्यक्रम

गोहाना रोड स्थित शिक्षा भारती विद्यालय में सोमवार को 11 वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए जीएसटी पर आधारित नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रमुख आचार्या शिखा ने बताया कि प्रतियोगिता विद्यार्थियों में जीएसटी के प्रति जागरूकता लाना रहा, जिससे आने वाले समय में बच्चे समझ सकें कि जीएसटी का प्रयोग कैसे किया जा सकता है। प्रतियोगिता में कक्षा 11वीं एवं 12वीं से दो वर्गों द्वारा अपनी प्रस्तुति दी गई। कक्षा ग्यारहवीं से वंशिका, देराश, यश, साक्षी, हर्ष, निशांत, विवेक, प्रिया, रमन, अर्पिता और कक्षा 12वीं से जानवी, नियति, योगिता, तनीषा, खुशी और विनीता ने भाग लिया। 12वीं की छात्राएं प्रथम स्थान पर रही। आचार्य धर्मेंद्र सैनी एवं मनजीत मलिक ने प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। विद्यालय शैक्षिक प्रमुख एवं वरिष्ठ आचार्य शैलेंद्र शर्मा ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं। इसलिए अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए इस तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लेना चाहिए। प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. आदित्य बत्रा, प्रबंधक रामचरण सिंगला, कोषाध्यक्ष एसके गुप्ता, सदस्या बीना कौशिक, डॉ. दिनेश मदान, प्राचार्य डॉ. संजय सोनी ने सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की।

धोखाधड़ी कर क्रेडिट कार्ड से निकाले 49,416 हजार

महम। निंदाना गांव के एक व्यक्ति के क्रेडिट कार्ड में से किसी ने धोखाधड़ी कर 49 हजार 416 रुपए निकाल लिए। पीड़ित ने इसकी शिकायत लाखन माजरा थाने में दी है। पुलिस को दी शिकायत में निंदाना गांव निवासी जितेंद्र पुत्र महावीर सिंह ने बताया कि उसने लाखन माजरा में मोबाइल की दुकान कर रखी है। एक नंबर से उसके मोबाइल फोन पर एक कॉल आई। एसबीआई की ओर से उसके पास एक लिंक आया था। उस लिंक को उसने क्लिक किया तो उस पर ओटीपी आया तो डायल करते ही उसके क्रेडिट कार्ड से 49 हजार 416 रुपए निकाल लिए गए। घटना के तुरंत बाद उसने साइबर पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज करवा दी थी। शिकायतकर्ता का कहना है कि पुलिस आरोपित की पहचान कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करे और उसके क्रेडिट कार्ड से कटी रकम वापस दिलाई जाए।

राजकीय महाविद्यालय में किया पौधरोपण

■ वातावरण को हरा-भरा बनाने के लिए चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

साक्षी मलिक राजकीय महाविद्यालय मोखरा में युवा रेड क्रॉस प्रकोष्ठ के द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं वातावरण को हरा भरा बनाने के लिए पौधारोपण कार्यक्रम चलाया गया। पौधारोपण के लिए बिजली निगम की एसडीओ सिम्मी सब डिविजनल ऑफिसर बिजली विभाग व मोखरा गांव की सरपंच मंजू देवी समारोह में बतौर अतिथि शामिल हुई। एसडीओ सिम्मी ने कहा कि इंसान अपने स्वार्थ की पूर्ति हेतु वृक्षों को धड़ाधड़ काट रहा है। परंतु वृक्ष लगाने से पीछे हट रहा है। जिसके चलते पूरे संसार के सामने पर्यावरण प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन गया है। उन्होंने कहा कि पौधे जहां हमारे लिए आय का साधन है, वहीं मानव जीवन के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। पौधो की देखभाल करके ही हम उनसे छाया व फल की उम्मीद कर सकते हैं।

प्राचार्या डॉ. सीमा जैन ने कहा कि केवल पौधे लगाने से ही उनकी जिम्मेवारी खत्म नहीं हो जाती। उनकी समय पर देखभाल करने के साथ सिंचाई व गुड़ाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वह अपने घर आँगन में एक-एक पौधा अवश्य लगाएं। जिससे आए दिन बढ़ रहे पर्यावरण प्रदूषण का संतुलन सही किया जा सके। पौधे मानव के लिए हानिकारक गैसों का सेवन कर जीवन के लिए आवश्यक आक्सीजन का विसर्जन करते हैं। इस अवसर पर सुनीता धनखड़, युवा रेड क्रॉस प्रकोष्ठ की प्रभारी सोनिया, संदीप कुमार, सुरेश कुमार, प्रभा, रविंदर, आशीष मलिक, मोहित, परवीन कुमार, सुखबीर सिंह, मन्जू व प्रमोद समेत कई स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

महम। राजकीय महाविद्यालय मोखरा में पौधरोपण करती प्रिंसिपल डॉ. सीमा जैन।

शौचालय बंद, सीटीएम को सौंपा ज्ञापन

■ लघुसचिवालय के शौचालय खुलवाने के लिए मुहिम शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

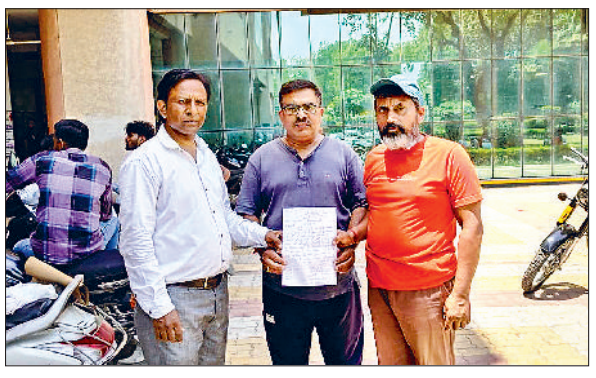

महम। सीटीम को ज्ञापन देने आए जसबीर सिंह व उनकी टीम। *फोटो : हरिभूमि*

लघु सचिवालय में लाखों की लागत से बनवाए गए शौचालय काफी समय से बंद पड़े हैं। नगर निगम इनकी सुध नहीं ले रहा और रोजाना आमजन को परेशानी उठानी पड़ रही है। समाजसेवी जसबीर सिंह और उनकी टीम ने इन शौचालयों को खुलवाने के लिए मुहिम शुरू की है। जिसके तहत पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर और सीटीएम अंकित कुमार को ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि लघु सचिवालय में कई साल से 3 शौचालय बंद पड़े हुए हैं। जबकि यह शौचालय जनता के लिए बनाए गए है। सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिक, महिला, अपंग लोगों को सुविधा दी गई थी। लेकिन अधिकारियों ने इनकी सुध नहीं ली। जबकि इन पर लाखों रुपये खर्च किए गए हैं। निगम की तरफ से इन शौचालय पर कोई कर्मचारी भी नियुक्त नहीं किए गए। इस दौरान सीटीएम अंकित कुमार ने आश्वासन दिया कि इस समस्या का समाधान जल्द करवाया जाएगा। जसबीर इससे पहले भी शहर की कई समस्याओं को लेकर आवाज उठा चुके हैं जिसके बाद समस्याओं का निवारण किया गया। इस दौरान जसबीर सिंह के अलावा राजीव, विकी, सतीश, पवन, महेश व सचिन आदि मौजूद रहे।

निबंध में श्रेष्ठ प्रदर्शन पर किया सम्मानित

रोहतक। भारत विकास परिषद की रोहतक शाखा द्वारा सोमवार को जैन पब्लिक स्कूल में नव वर्ष विक्रमी संवत पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें कनिष्क व वरिष्ठ वर्ग में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। रोहतक शाखा के संयोजक अशोक गुप्ता, शाखा अध्यक्ष रमन गुप्ता और कार्यकारिणी सदस्य गणपत राय द्वारा बच्चों को पुरस्कृत किया गया। उन्होंने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के सभी अध्यापक मौजूद रहे।

डांस में सांगवान स्कूल की टीम अव्वल

रोहतक। रविवार को इंडियन हरियाणवी डांस ऑर्गेनाइजेशन द्वारा हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिलास्तरीय डांस कंपीटीशन का आयोजन किया गया। इस प्रतिस्पर्धा में सांगवान इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने देश भक्ति से ओत-प्रोत नृत्य प्रस्तुत कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं दूसरी ओर विद्यार्थियों ने हरियाणवी सामूहिक नृत्य में अपनी धमाकेदार प्रस्तुति से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में डांस शिक्षक को सर्वश्रेष्ठ डांसर के सम्मान से नवाजा गया। स्कूल प्रबंधक राजेश सांगवान, प्रधानाचार्या मनीषा सांगवान ने बच्चों की शानदार सफलता पर डांस शिक्षक व बच्चों की सराहना की की और भविष्य में भी इसी तरह से प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर डांस अध्यापक बृजेश, कला अध्यापिका नेहा सहित अन्य मौजूद रहे।

महिला को 1.50 किलो चरस सहित किया काबू

रोहतक। आरोपित पुलिस की गिरफ्त में।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा राज्य नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने एक महिला को 1 किलो 50 ग्राम चरस सहित गिरफ्तार किया। टीम निरीक्षक पवन कुमार ने बताया कि आरोपी को अदालत में पेश करके पूछताछ की जाएगी व अन्य सप्लायर्स व सप्लाई के बारे में पता किया जाएगा। उन्होंने कहा नशा तस्करी में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ-साथ आमजन से अपील की है कि अगर आपको कहीं पर भी नशा बिकता हुआ दिखाई दे तो हरियाणा एनसीबी के टॉल फ्री न. 90508-91508 पर बेफिक्र होकर सूचना दें ताकि नशा तस्करों को सलाखों के पीछे भेजा जा सके।

उन्होंने बताया कि आपकी दी हुई सूचना पर तुरंत प्रभाव से कार्रवाई की जाएगी एवं सूचना देने वाले का नाम किसी भी सूरत में उजागर नहीं किया जाएगा।

मदवि में प्राध्यापकों के लिए एलओसीएफ कार्यशाला का आयोजन

प्रोग्राम लर्निंग व कोर्स आउटकम्स की मैपिंग जरूरी

■ मूल्यानुगत व्यवहार विकसित करना शिक्षा का उद्देश्य : राजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए मदवि के निदेशक सेंटर फॉर करिकुलम डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट प्रो. अजय कुमार राजन।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की विशेषता इसका लर्निंग आउटकम्स करिकुलम फ्रेमवर्क आधार है। जरूरत है कि लर्निंग आउटकम्स को विद्यार्थियों के ज्ञान विस्तारण, कौशल विकास तथा विद्यार्थियों में गुणात्मक अभिवृद्धि से जोड़ा जाए। ये विचार महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के निदेशक सेंटर फॉर करिकुलम डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट प्रो. अजय कुमार राजन ने सोमवार को एलओसीएफ कार्यशाला में प्राध्यापकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इंटरनल क्वालिटी एस्युरेंस सेल, एफडीसी-एएमटीटीसी तथा सेंटर फॉर करिकुलम डिजाइन एंड डेवलपमेंट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस एलेओसीएफ कार्यशाला में प्रो. अजय कुमार राजन ने कहा कि प्रोग्राम लर्निंग आउटकम्स तथा कोर्स आउटकम्स की मैंपिंग जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसी भी शैक्षणिक कार्यक्रम का उद्देश्य केवल उपाधि प्रदान करना ही नहीं, विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास भी अहम है। विद्यार्थियों में संवैधानिक, मानवीय, कार्य संबंधित मूल्य तथा मूल्यानुगत व्यवहार विकसित करना शिक्षा का उद्देश्य है।

प्रो. राजन ने प्राध्यापकों के प्रश्नों के उत्तर दिए

निदेशक प्रो. राजन ने विद्यार्थियों में संचार कौशल, तार्किक कौशल, समालोचनात्मक क्षमता, सृजनशीलता, टीम भावना, समस्या समाधान मनोवृत्ति विकसित करना जरूरी है। व्याख्यान उपरांत प्रो. राजन ने प्राध्यापकों के प्रश्नों के उत्तर दिए। कार्यशाला के प्रारंभ में आईक्यूएसी निदेशक प्रो. बी. नरसिम्हन ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने इस कार्यशाला की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। एफडीसी निदेशक प्रो. संदीप मलिक ने आभार प्रदर्शन किया।

उन्होंने कहा कि लर्निंग आउटकम्स पर आधारित इस कार्यशाला से प्राध्यापकों को एनईपी 2020 के अनुरूप सिलेबस संरचना हेतु आउटकम्स निर्धारण में मदद मिलेगी। कार्यक्रम संचालन एफडीसी उप निदेशिका डॉ. माधुरी हुड्डा ने किया। इस कार्यशाला में मानविकी एवं कला, सामाजिक विज्ञान तथा शिक्षा संकाय के प्राध्यापकों ने भाग लिया।

गलत पेपर बांटने पर परीक्षार्थियों ने एनटीए से की शिकायत

बहादुरगढ़। देशभर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर रविवार को नीट यूजी की परीक्षा का आयोजन किया गया। बहादुरगढ़ में भी तीन स्कूलों में यह परीक्षा हुई। लेकिन इस दौरान एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। शहर के दो स्कूलों में छात्र-छात्राओं को दो प्रश्नपत्र दिए गए। लेकिन कुछ देर बाद एक पेपर को गलत बताया गया। इस पर अधिकांश विद्यार्थियों का कीमती समय बर्बाद हो गया। एक स्कूल ने जहां परीक्षार्थियों को क्षतिपूर्ति के लिए अतिरिक्त समय दे दिया, वहीं दूसरे स्कूल ने न अतिरिक्त समय दिया और न ही विद्यार्थियों की पीड़ा को समझा। अब पीड़ित छात्रों ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को इसकी शिकायत की है। नीट के लिए रविवार को बहादुरगढ़ में तीन स्कूलों को परीक्षा केंद्र आयोजित हुई थी।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
B.A.M.S. DOCTOR 4
R.M.O. 6
COMPUTER OPERATOR 4
CHEMIST SHOP STAFF 2
NURSING STAFF 10
WARD BOY 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

खबर संक्षेप

रोहतक। गिझी स्कूल में स्कूल स्टाफ पौधारोपण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बच्चों को पर्यावरण बचाने के लिए प्रेरित किया

सांपला। खंड शिक्षा अधिकारी सुमन हुड्डा ने सोमवार को गिझी राजकीय कन्या हाई स्कूल में पौधारोपण कर छात्राओं को पर्यावरण बचाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक छात्रा अपने और अपने माता-पिता के जन्मदिन पर पौधारोपण जरूर करें। क्योंकि स्वच्छ पर्यावरण से हमारा जीवन स्वस्थ रह सकता है। इस मौके पर स्कूल में नए एडमिशन लेने वाले बच्चों को तिलक और माला पहनकर स्वागत भी किया। कार्यवाहक प्राचार्य वीरभान, राजेश कुमार सहित अन्य स्कूल स्टाफ भी उपस्थित था।

सैनी कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन

रोहतक। राष्ट्रीय सेवा योजना एवं यूथ रेडक्रास सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर लगाया गया। सैनी कॉलेज के प्राचार्य डॉ भीम सिंह पवार ने कहा कि रक्तदान के माध्यम से किसी व्यक्ति की जान बचा सकते हैं तथा रक्तदान की गतिविधि से विद्यार्थियों में जिस गर्व की अनुभूति होती है उससे उनमे समाज सेवा के साथ मानवता की रक्षा की भावना विकसित होती है। शिविर 50 यूनिट रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। अवनीश सैनी ने कहा कि रक्तदान से गर्व की अनुभूति होती है।

जन स्वास्थ्य विभाग ने लगाया कैंप, पांच शिकायतें ही पहुंचीं

डीसी के आदेश पर लगाए जा रहे हर वार्ड में कैंप, 13 तक आ सकता है पानी

रोहतक। कैंप में लोगों की समस्याओं का निपटारा करते हुए सिंचाई विभाग के अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर में पीने की पानी की किल्लत चल रही है लेकिन जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए कैंप में सोमवार को केवल पांच शिकायतें ही पहुंची। छोटूराम स्टेडियम में लगाए कैंप में कमल कॉलोनी, रामगोपाल कॉलोनी और तिलक नगर के लोगों ने पानी की सप्लाई नहीं पहुंचने की शिकायतें की।

बाहरी कॉलोनियों में पेयजल कनेक्शन करवाने की मांग की गई। इसी जगह मंगलवार को भी कैंप लगाया जाएगा। जहां आमजन शिकायतें कर सकते हैं। सुबह दस बजे से दोपहर एक बजे तक लगाए गए कैंप में जेई देवेंद्र कुमार और उनकी टीम ने लोगों की समस्याएं सुनी। इस दौरान आसपास की कॉलोनियों के लोगों ने पानी का कम प्रेशर आने की शिकायतें की। उन्हें बताया गया कि अभी नहरों में पानी नहीं है और जलघर में स्टोर किए गए पानी से ही काम चलाया जा रहा है। दअरसल, पेयजल सम्बंधित शिकायतों की भरमार होने के बाद उपायुक्त अजय कुमार ने विभाग को हर वार्ड में कैंप लगाकर समस्याओं का निपटारा करने के आदेश जारी किए थे। इसके बाद जेई स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में हर एरिया में कैंप लगाए जा रहे हैं।

बनाए जाएंगे व्हाटसएप ग्रुप

जेई ने आमजन को बताया कि वे आपस में अधिकारियों के साथ एक व्हाटसऐप ग्रुप बनाएं। जिसमें पीने के पानी से सम्बंधित शिकायतें बता सकते हैं। इसकी सूचना मिलते ही कार्रवाई की जाएगी और लोगों को भी परेशानी नहीं आएगी। जन स्वास्थ्य विभाग ने नहर सप्लाई में देरी होने पर सिंचाई विभाग के उच्च अधिकारियों से संपर्क किया है। जेएलएन में 16 मई तक पानी भेजने के लिए बात की गई है। ऐसे में जन स्वास्थ्य विभाग ने 13 मई तक 200 क्यूसिक पानी भेजने की गुजारिश की है ताकि शहर में पेयजल सप्लाई बाधित न हो। इस समय चारों जलघरों में करीब 40 फुट तक पानी मौजूद है जिससे एक समय सप्लाई की जा रही है। साथ ही विभाग ने दो जलघरों की सफाई के लिए भी काम शुरू किया है ताकि नहर आने पर उनमें दोबारा पानी स्टोर किया जा सके।

जलघरों में अभी भी पर्याप्त पेयजल

कैंप में आई शिकायतों पर मौके का निरीक्षण कर कार्रवाई की जाएगी। कैंप में पीने के पानी की किल्लत, नए कनेक्शन लगवाने से सम्बंधित शिकायतें पहुंची थी। जिनका जल्द निवारण कर दिया जाएगा। इसके साथ ही दो जलघरों की सफाई करवाई जा रही है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर नहर में 13 मई तक पानी मुहैया करवाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। हालांकि जलघरों में अभी भी प्रयाप्त पेयजल है। जिससे एक समय सप्लाई की जा रही है।

रामगोपाल कॉलोनी में लगवाए सबमर्सिबल पंप

रामगोपाल कॉलोनी में 150 से ज्यादा मकानों में पेयजल सप्लाई नहीं पहुंच पा रही है। जिससे कॉलोनी निवासी काफी परेशान हैं। वीरेंद्र सिंह ने बताया कि बार बार शिकायतों के बाद भी समाधान हो पा रहा। ज्यादा समस्या सोनीपत रोड की तरफ स्थित लोगों को हो रही है। कालोनी में पानी की पाइप लाइन का लेबल भी ऊंचा नींचा है। जिससे सप्लाई नहीं आ रही। इस वजह से अधिकतर लोगों ने घरों के सामने सबमर्सिबल पंप सैट लगवाने शुरू कर दिए हैं।

चोरी की दो वारदातों में दो आरोपित गिरफ्तार

- आरोपी जगबीर निवासी मदीना को किया गिरफ्तार
- आरोपी से चोरीशुदा 10 गेहू के कट्टे बरामद किए
- आरोपी मोटरसाइकिल पर रखकर ले जाता था अनाज मंडी से गेहूं के कट्टे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पुलिस ने चोरी की दो वारदातों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। बहुअकबरपुर थाना प्रभारी महेश कुमार ने बताया कि मदीना कोरसान निवासी सतीश की शिकायत के आधार पर जांच शुरु की गई। जांच में सामने आया कि सतीश गांव मदीना में अनाज मंडी में गेंहू खरीदने का काम करता है। लेबर द्वारा 250 कट्टे गेंहू के अनाज मंडी में रखे हुए। सतीश ने चैक किया तो 54 कट्टे गेंहू के चोरी हुए मिले। जांच के दौरान 5 मई को आरोपी जगबीर निवासी मदीना को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से चोरीशुदा 10 गेहू के कट्टे बरामद हुए है।

कई दिन से कर रहा था वारदातः आरोपी अनाज मंडी में दूसरे आढ़ती के लिए चौकीदारी का काम करता था। आरोपी रात के समय अपने साथी के साथ मिलकर मोटरसाइकिल पर रखकर गेंहू कट्टे चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी कई दिन से गेंहू चोरी कर रहा था। वारदात में शामिल रहा दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीम द्वारा निरंतर छापेमारी की जा रही है। जिसे जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

जेल भेजा

कलानौर थाना प्रभारी देशराज सिह ने बताया कि पिलाना निवासी अमित की शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच शुरु की गई। जांच में सामने आया कि 11 जून 2023 को अमित अपनी मोटरसाइकिल को लेकर खेतों की तरफ गया हुआ था। अमित अपनी मोटरसाइकिल खड़ी कर खेतों की तरफ चला गया। वापिस आने पर उसे अपनी मोटरसाइकिल नहीं मिली। दौरान 4 मई को आरोपी धर्मबीर निवासी लाहली को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को अदालत के आदेश पर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

जिला न्यायिक परिसर में लोक अदालत 11 मई को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा 11 मई को जिला न्यायिक परिसर में दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला एंव सत्र न्यायाधीश नीरजा कुलवंत कलसन एवं सीजेएम अनील कौशिक के निर्देशानुसार लिटीगेंट हाल में एक हेल्प डेस्क का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसल राजबीर कश्यप ने जानकारी देते हुए बताया कि लोक अदालत विवादों को सौहार्द समझौते के माध्यम से सुलझाने का एक वैकल्पिक मंच है। इसमें सभी प्रकार के सिविल वाद तथा ऐसे अपराधों को छोड़कर जिनमें समझौता वर्जित है, वे सभी अपराधिक मामले भी लोक अदालतों के माध्यम से निपटाए जा सकते हैं।

लोक अदालतों के फैंसलो के विरूद्ध किसी भी न्यायालय मे अपील नहीं की जा सकती। इसमें कोई कोर्ट फीस नहीं होती है। यदि न्यायालय मे लंबित वाद मे कोर्ट फीस जमा करवाई गई हो तो लोक अदालत में वाद का निपटारा हो जाने पर वह कोर्ट फीस वापिस दी जाती है।

पुलिस लाइन में अधिकारियों और जवानों ने दिखाया दमखम

- पुलिस लाइन में खेल प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पुलिस लाइन में पुलिस द्वारा खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनमें डीएसपी रजनीश, डीएसपी सांपला राकेश, डीएसपी विरेंद्र, डीएसपी विवेक कुंडू, सभी प्रभारी थाना-चौकी व अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया। एसपी हिमांशु गर्ग ने बताया कि खेलों का उद्देश्य जवानों को स्वस्थ्य रखना तथा आपस में बेहतर समन्वय बनाना है। खेलों से उर्जा स्तर बढ़ता है व मानसिक विकास के लिए खेल जरूरी है। खेल तनाव को कम करता है। भविष्य में भी जवानों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। जिला पुलिस पुलिस लाइन में जिला पुलिस के अधिकारियों ने रेस, वॉलीवाल, रस्सा कस्सी आदि खेलों में भाग लिया। रेस में भाग लेने वाले जवानों की अलग-अलग टीम बनाई गई। पुलिस अधिकारियों-जवानों ने ग्राउंड में रेस लगाई। पुलिस अधिकारियों-जवानों को थाना स्तर पर अलग-अलग टीमों में विभाजित किया गया। जिसमें वॉलीबॉल की दो टीमें, रस्सा कस्सी की पुरुषों की टीमे, महिला पुलिस बल की रस्सा कस्सी की टीमे बनाई गई। रस्सा कस्सी के लिए महिला व पुरुष जवानों की टीम बनाकर उनके बीच मुकाबला कराया गया। जवानों में वॉलीबॉल खेल का प्रतियोगिता कराया गया। खेलों में हिस्सा लेने वाले जवानों ने खूब आनंद उठाया।

राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन में सैनिक स्कूल सिंहपुरा की टीम रही द्वितीय

रोहतक। 4 और 5 मई को पानीपत के खांदरा गांव में हुई राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता में सैनिक स्कूल सिंहपुरा के छात्रों ने दूसरा स्थान जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। छात्र रूद्र, वंश, मोहित, आर्यन ने द्वितीय स्थान और 8100 रूपये नकद पुरस्कार हासिल किया। कोच हरबीर सिंह ने कहा कि खेल से बच्चों के शारीरिक, संज्ञानात्मक, संवेगात्मक, सामाजिक एवं नैतिक विकास को बढ़ावा मिलता है। स्कूल के चेयरमैन अशोक दलाल ने सभी विजेता बच्चों को मिठाई खिलाकर बधाई दी और कहा कि खेल बच्चों की मानसिक क्षमताओं के विकास में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं।

योग तनाव को दूर करने में कारगरः वीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विवि के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने टैगोर सभागार परिसर में प्रातः काल नियमित रूप से छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा चलाई जा रही निःशुल्क योग कक्षा की विजिट की और विद्यार्थियों से संवाद किया। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने इस अवसर पर जीवन में योग की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ तन, मन, जीवन का आधार है। योग मनुष्य में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है, ऐसा कुलपति का कहना था। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि योग तनाव को दूर करने में कारगर है।

खासतौर पर परीक्षाओं के दौरान तनाव प्रबंधन में योग की महत्ती भूमिका है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से योग करने और अपने सहपाठियों, परिजनों एवं आसपास रहने वाले लोगों को योग करने के लिए जागरूक एवं प्रेरित करने की बात कुलपति ने कही। कुलपति ने इस अवसर पर इस निःशुल्क योग कक्षा के संचालनकर्ता छात्र कल्याण कार्यालय कर्मी नरेश अहलावत की भी सराहना की और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर एमडीयू के शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मी, विद्यार्थी एवं योग प्रेमी जन उपस्थित रहे।

रोहतक। छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा चलाई जा रही निशुल्क योग कक्षा की विजिट की और विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कुलपति प्रो. राजबीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

23वीं ऑल हरियाणा स्टेट किक बॉक्सिंग में खिलाड़ियों ने जीते पदक

रोहतक। हरियाणा स्टेट स्पोर्ट्स कांप्लेक्स फरीदाबाद में 3 से 5 मई आयोजित 23वीं ऑल हरियाणा स्टेट किक-बॉक्सिंग प्रतियोगिता में रोहतक के खिलाड़ियों ने कई पदक जीते। इनमें तनीषा कादयान ने 65 किलो भार वर्ग में गुड़गांव की रितिका को हराकर स्वर्ण पदक, संजीत हुड्डा ने सुधीर को हराकर सिल्वर, लविश ,तेजवीर कादयान, धैर्य,मुन्नी, मोनिका ,अन्वी, प्रीति ने अपने-अपने भार वर्ग में स्वर्ण, आरती सिम्मी, तान्या, निकिता, मानसी ने रजत पदक हासिल किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

छात्रों के शोकेस का 8वां संस्करण संपन्न, 1000 से अधिक कलाकृतियां प्रस्तुत की

गीता कलाकारों के लिए अद्भूत प्रेरणा स्रोत : कन्हाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सुपवा में चल रहा छात्रों के शोकेस का 8वां संस्करण सोमवार को संपन्न हो गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रख्यात कलाकार पद्मश्री कृष्णा कन्हाई रहे। छात्रों द्वारा विकसित कला उत्पादों को प्रदर्शित करने और बढ़ावा देने के लिए हर साल दृश्य कला संकाय द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है, जिस पर वे साल भर काम करते हैं।

इस बार 300 से अधिक छात्रों की 1000 से अधिक कलाकृतियां प्रदर्शित की गई, जिसकी महत्वपूर्ण श्रेणियों में जागरूकता, सामाजिक संदेश, चित्रण, विज्ञापन, तेल चित्रकला, ऐक्रेलिक पेंटिंग, स्थापना कला, साइट विशिष्ट कला, मिट्टी और फाइबर कला मूर्तियां, फोटोग्राफी, स्केचिंग, क्ले मॉडलिंग और स्टिल एवं लघु पेंटिंग आदि शामिल रहे। इसके अलावा संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता आधारित पेंटिंग भी प्रदर्शित की गई। कृष्ण कन्हाई ने सभी को सभ्यतागत गौरव और ज्ञान के सबसे बड़े दस्तावेज गीता को पढ़ने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि गीता ज्ञान का स्रोत है। गीता युवा कलाकारों के लिए जबरदस्त कलात्मक प्रेरणा प्रदान करती है। उदाहरण के लिए, भगवान कृष्ण लीलाओं के प्रतीक हैं। वह एक ऐसे भगवान हैं जिन्हें कलाकारों द्वारा हजारों अवतारों और अभिव्यक्तियों में सबसे अधिक बार चित्रित किया गया है। उनके जीवन में कलाकारों को प्रेरित करने और अभिव्यक्त करने के लिए अद्भुत पहलू हैं।

रोहतक। पेंटिंग को देखते और कार्यक्रम में छात्रा को सम्मानित करतें मुख्यातिथि प्रख्यात कलाकार पद्मश्री कृष्णा कन्हाई। फोटो : हरिभूमि

चित्रकला की जानकारी दी

कृष्ण कन्हाई ने दृश्य कला और चित्रकला के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। अपने अनुभवों के आधार पर उन्होंने छात्रों को कड़ी मेहनत और निरंतरता के महत्व की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कला अभ्यास, धैर्य और प्रार्थना का विषय है। कला का मुद्रीकरण करना बहुत कठिन है। बहुत कम कलाकार ही शीर्ष पर पहुंच पाते हैं, बाकी को अस्तित्व की बहुत कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अगर आप दृढ़ रहें, कौशल को निखारते रहें और अपने अंदर की कलात्मक भूख को मरने न दें, तो ही आप सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

मील का पत्थर

कुलपति ने कहा कि यह आयोजन संस्थान के भीतर रचनात्मकता और कलात्मक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। रजिस्ट्रार डॉ. गुंजन मलिक ने भी छात्रों को अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहने और दीर्घकालिक, सफल करियर के लिए सकारात्मक सोच अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम में दृश्य कला के स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के 18 छात्रों को सम्मानित किया गया जिन्होंने इस प्रदर्शनी में अच्छा कार्य किया था। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक वीपी नंदल, डीन अकादमिक डॉ. अजय कौशिक, डीन छात्र कल्याण प्रोफेसर ज्ञानेंद्र सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।